संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-241 मंगलवार,02 जुलाई 2024, पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपये

खुला पत्र

बताईए मुख्यमंत्री जी...

- » पत्रकारिता लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का दर्जा क्या खो चुकी?
- » क्या अब स्वतंत्र लेखन की पत्रकारिता में मनाही?
- » स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,भारत सरकार...
- » स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
- » स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
- » गृहमंत्री जी भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही...

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2024(घटती-घटना)।तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान का दूसरा दिवस...?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

- » क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?
- » क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?
- » देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?
- » क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?
- » क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-240 सोमवार,01 जुलाई 2024, पृष्ठ-8 मूल्य 2 रुपये

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?
» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?
» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?
» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?
» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

कलम बंद...

कलम बंद...

क्या दागी सहयोगियों स्टाफ व दलबदलू युवा के भरोसे स्वास्थ्य विभाग चलाएंगे मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल?

घटती घटना

क्या सत्ता किसी दल की हो जुगाड़ बनाकर कुछ अधिकारी ही बार-बार काटेंगे मलाई...अन्य को कभी नहीं मिलेगा मौका?

घटती घटना

संघ,भाजपा और मोदी विरोधी युवक को स्वास्थ्य मंत्री आखिर क्यों दे रहे बढ़ावा?

घटती घटना 5

क्या खुद के दागी विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का संलग्नीकरण समाप्त कर पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री?

CMYK

संपादकीय

क्या समाचार अब पूछकर किया जायेगा प्रकाशित...क्या अब अभिव्यक्ति की आजादी पर भी छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री लगाएंगे रोक?

» क्या स्वास्थ्य मंत्री की वजह से प्रदेश में पत्रकारिता अब निष्पक्ष नहीं रह जायेगी...क्या स्वास्थ्य मंत्री खबरों के लिए सेंसर जैसी संस्था बैठायेगें?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार क्या अब आईना दिखाती खबरों पर प्रतिबंध लगा चुकी है,क्या सरकार और व्यवस्था शासकीय तंत्र की कमियां और भ्रष्टाचार को लेकर प्रकाशित खबर पर सरकार रोक लगा चुकी है ऐसी खबरें अब प्रकाशन योग्य नहीं मानी जाएंगी यह प्रश्न तब उठने लगा है? जब एक समाचार-पत्र के शासकीय विज्ञापन पर प्रदेश जन संपर्क अधिकारी ने रोक लगा दी है। प्रदेश जन संपर्क कार्यालय के अनुसार विज्ञापन पर प्रतिबंध स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर आयुक्त सह संचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव के कहने पर लगाया गया है। जिस समाचार-पत्र पर यह प्रतिबंध लगाया गया है वह दैनिक घटती घटना है और जो लगातार स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार को उजागर करने का काम कर रहा था और जो लगातार स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे और संविदा डीपीएम की मनमानी स्वास्थ्य मंत्री के विशेष सलाहकार ओएसडी को लेकर भी समाचार का प्रकाशन कर रहा था जिसमे यह बताया जा रहा था की कैसे ओएसडी स्वास्थ्य मंत्री के फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर शासकीय सेवक बने हुए हैं कैसे स्वास्थ्य मंत्री के तथाकथित भतीजे कांग्रेस शासनकाल में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने के बाद भी भाजपा सरकार में पुनः डीपीएम बनकर नए जिले के मनमानी कर रहे हैं जबकि पूर्व कर्तव्यस्थ जिले में उन्होंने जो भ्रष्टाचार कांग्रेस शासनकाल में किया है उसकी जांच लंबित है जिसको लेकर कई शिकायतें भी की गई हैं। प्रदेश में सुशासन स्थापना के साथ नई भाजपा सरकार का गठन हुआ है ऐसा स्वयं पुनः सरकार बनने पर भाजपा का ही दावा था लेकिन जिस तरह समाचार पत्र के द्वारा भ्रष्टाचार को उजागर करने पर समाचार पत्र को ही प्रभावित करने उसका प्रकाशन रोकने उसका विज्ञापन शासकीय रोका गया, जिससे समाचार पत्र दबाव में आ जाए गलत का भ्रष्टाचार का प्रकाशन रोक दे यह कहना गलत नहीं होगा की कुल मिलाकर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को ही यह दबाने और उसे निष्क्रीय करने का एक प्रयास है। दैनिक घटती-घटना सरगुजा अंचल से प्रकाशित होने वाला एक ऐसा समाचार पत्र है जो अपनी निष्पक्षता और अपनी बेबाक साथ ही भ्रष्टाचार के विरुद्ध लेखनी के लिए पहचान रखता है। कई बार इस समाचार पत्र समूह के लोगों पर पूर्ववर्ती सरकार में भी प्रहार कानूनी करने के प्रयास किए गए जो तब भी इस उद्देश्य से हुए की वह समाचार पत्र की कलम को रोक सकें और समाचार-पत्र को अपने अनुसार खबर लिखने पर मजबूर कर सकें लेकिन तब भी न तो समाचार पत्र झुका न ही उसके साथ काम कर रहे लोग ही झुके,जबकि प्रयास तो ऐसे ऐसे किए गए जैसे की समाचार पत्र में लेखनी की जगह उससे जुड़े लोग कोई राष्ट्रद्रोह जैसा अपराध कर रहे हों जबकि वह केवल भ्रष्टाचार को ही उजागर करने का काम करते चले आ रहे थे। खैर जैसे तैसे सभी कठिनाइयों को पार करते हुए दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र समूह लगातार अपने अभियान में जुटा हुआ था और अभी भी जुटा हुआ है

लेकिन अब वर्तमान सरकार उसे रोकने नया हथकंडा लेकर समाने आई है जिसमे वह अब समाचार-पत्र का विज्ञापन ही रोकने फरमान जारी कर चुकी है जिसका मौखिक निर्देश जारी कर दिया है सरकार की तरफ से। वैसे दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र समूह विज्ञापन रोकने की घटना से ज्यादा कोई प्रभाव अपने ऊपर महसूस नहीं कर रहा है वह यह मानकर चल रहा है की यह क्षणिक एक प्रहार है जिसे सहकर आगे बढ़ना है और उसी तरह भ्रष्टाचार के विरुद्ध लिखना है जैसा पहले से अभियान जारी है। वैसे छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है और केंद्र में भी भाजपा गंठबंधन की सरकार है और प्रधानमंत्री भाजपा के हैं गृहमंत्री भाजपा के हैं जो भ्रष्टाचार को लेकर लगातार आक्रामक हैं और जिनका साफ तौर पर कहना है की भ्रष्टाचार किसी भी हाल में बर्दास्त नहीं किया जायेगा और जिसके तहत कई बड़े नेता जेल में हैं। अब जेल में जो नेता हैं वह गैर भाजपाई हैं और इनमें कई मुख्यमंत्री भी हैं वहीं उनकी छत्तीसगढ़ में सरकार है और उनके मंत्री पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं ऐसे में क्या वह प्रदेश में भी ऐसा कोई निर्णय लेंगे जिसके तहत वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने ही दल के नेताओं पर कार्यवाही करेंगे। अब यही देखने वाली बात है की प्रधानमंत्री और गृहमंत्री देश के क्या छत्तीसगढ़ के भ्रष्टाचार के मामले वैसा ही निर्णय लेते हैं जैस गैर भाजपा शासित राज्यों के लिए उनका होता है या यहां वह भी राज्य सरकार और स्वास्थ्य मंत्री के साथ उस निर्देश में सहभागी नजर आते हैं जिसमे भ्रष्टाचार के विरुद्ध लिखना मतलब शासकीय विज्ञापन से ही हांथ धोना वहीं एक तरह से अपराध करना माना जा रहा है। वैसे अब विज्ञापन रुके या फिर कोई अपराधिक प्रकरण दर्ज कर ही भ्रष्टाचार संबंधित खबरें रोकने की कोशिश की जाए हर हाल में दैनिक घटती- घटना अपना काम जो भ्रष्टाचार के विरुद्ध लेखनी का है वह जारी रखने वाला है और वह किसी हाल में पीछे नहीं हटने वाला। भ्रष्टाचार को लेकर न पुरवर्ती सरकार के कार्यकाल में भयभीत हुआ था दैनिक घटती-घटना पत्र समूह न आगे ही होगा।

क्या सरकार की कमियों को दिखाना होगा प्रतिबंध?

» समाचार-पत्र पर दबाव बनाने क्या शासकीय विज्ञापन पर लगाई गई रोक?

» प्रदेश जनसंपर्क अधिकारी ने किसके कहने पर शासकीय विज्ञापन पर लगाई रोक?

» क्या शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाने से अखबार में सरकार की कमियों की खबर नही छपेगी?

» क्या शासकीय विज्ञापन पाने के लिए अखबार को करना होगा झूठी महिमा का गान?

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।छत्तीसगढ़ की नई भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर प्रकाशित की जा रही खबरों पर बेहतर संज्ञान लिया है और अब सरकार का अंदरूनी गोपनीय निर्णय लागू भी हो गया है जिसके अंतर्गत अब भ्रष्टाचार आधारित खबरों के प्रकाशन पर समाचार पत्रों का दाना-पानी बंद कर दिया जायेगा जो की शासकीय विज्ञापन स्वरूप किसी समाचार-पत्र को प्राप्त होता है। केवल महिमा मंडन वाली खबरों पर ही सरकार का रुख समाचार-पत्रों के प्रति सकारात्मक होगा यह भी सरकार की तरफ से लगभग तय कर दिया गया है और उसका सबसे पहला पालन भी कर दिया गया है जिसके अंतर्गत निष्पक्ष होकर समाचार का प्रकाशन करना भ्रष्टाचार के संदर्भ में समाचार का प्रकाशन करना दैनिक घटती-घटना के लिए दंडनीय अपराध की तरह माना गया है सरकार की तरफ से और अब इसकी सजा बतौर दैनिक घटती घटना समाचार-पत्र का शासकीय विज्ञापन बंद कर दिया गया है और जिसका पालन भी किया जाना शुरू हो गया है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर आयुक्त सह संचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव के द्वारा मौखिक आदेश जारी कर दिया गया है जिसके तहत अब दैनिक घटती-घटना को विज्ञापन शासकीय प्राप्त नहीं होंगे वह भी तब तक जब तक स्वास्थ्य विभाग और स्वास्थ्य मंत्री के पक्ष में सकारात्मक समाचार का प्रकाशन दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र नहीं करना आरंभ करता। लोकतांत्रिक देश में ऐसे प्रधानमंत्री के रहते हुए जो भ्रष्टाचार के खिलाफ हों और लगातार जिनके निशाने पर भ्रष्टाचारी हों उनके ही दल की प्रदेश सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करना यदि किसी समाचार-पत्र समूह के लिए दंडनीय अपराध साबित किया जायेगा तो फिर यह तय माना जायेगा की या तो देश में वहीं भ्रष्टाचार की खबरें स्वीकार होंगी जहां भाजपा की सरकार राज्य में नहीं है वहीं जहां जहां भाजपा या भाजपा गठबंधन की सरकार है वहां वहां भ्रष्टाचार की खबरें सिरे से खारिज की जाएंगी।

बता दें की दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र छत्तीसगढ़ प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के

भ्रष्टाचार को उजागर करने में अपनी भूमिका निर्वहन कर रहा था और वह लगातार समाचार का प्रकाशन कर स्वास्थ्य विभाग में जारी शासकीय राशि के बंदरबांट को समाने ला रहा था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कोरिया जिले के पूर्व डीपीएम सहित सीएमएचओ की तरफ से किए गए मनमानी और भ्रष्टाचार को लेकर खबरों का एक लगातार क्रम जारी था जिसमे प्रदेश के वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री तब नाराज हो गए जब उनकी मंशा के विपरीत खबर का प्रकाशन नहीं रोका गया। बता दें की कांग्रेस सरकार के दौरान स्वास्थ्य विभाग में हुए भ्रष्टाचार को लेकर भी खबरों का प्रकाशन जारी था और उस दौरान के भ्रष्टाचार को लेकर सतत् एक क्रम समाचार का जारी था जिसके अंतर्गत भ्रष्ट लोगों की करनी भी समाने लाई जा रही थी लगातार। स्वास्थ्य मंत्री के यहां संलग्न विशेष सलाहकार साथ ही विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के भी विषय में भी खबर प्रकाशित किए गए जिसमे एक अधिकारी के फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र पर भी सवाल उठाए गए जिसको लेकर साक्ष्य भी उपलब्ध होने की बात समाचार में बताई गई।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

खुला पत्र

क्यां प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

- » क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
- » क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
- » देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
- » क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
- » क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 01 जुलाई 2024 | 3

खुला पत्र

कौन सी खबर प्रकाशित करें स्वास्थ्य मंत्री जी ? क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं... आपके विभाग में कितनी कमियां हैं यह शायद आपको दिख नहीं रहा...और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है वह देखना नहीं चाहते...ऐसे में क्या प्रकाशित करें यह आप ही तय करें? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था...पर उसे कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
» क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

कलम बंद...

कलम बंद...

विष्णु सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ने क्या कांग्रेसी युवा को सौंप दी शासकीय आवास की जिम्मेदारी?

क्या खुद के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के प्रमाण-पत्रों की जांच करा पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री?

क्या भाजपा कोरबा की लोकसभा प्रत्याशी कोरिया एमसीबी जिले के विधायक मंत्री व संगठन के चक्रव्यूह में फंसकर हार गई?

जिला चिकित्सालय में इंसानों के अस्पताल में विचरण कर रहे मवेशी

क्या यही है प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल?

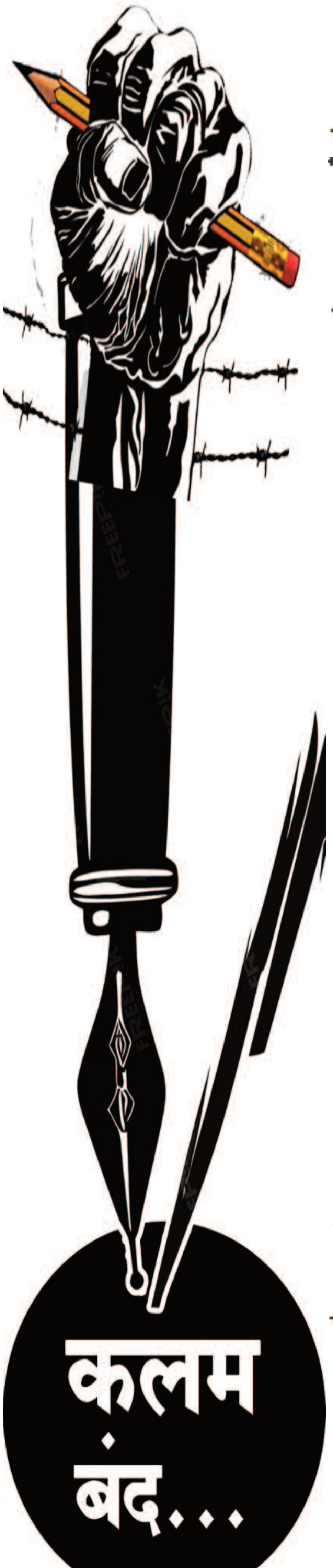

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?

माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

- » क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?
- » क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?
- » देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?
- » क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?
- » क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन घटती घटना | अंतर्राष्ट्रीय-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 01 जुलाई 2024 | 4

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?

माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है। जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री विधायक बे-लगाम हो चुके हैं उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?
» क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?
» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?
» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?
» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

कलम बंद...
कलम बंद...

क्या स्वास्थ्य मंत्री की कुर्सी जाएगी या आरएसएस के होने का मिलेगा फायदा?

स्वास्थ्य मंत्री के राज में यह कैसा सवाल?

स्वास्थ्य मंत्री का छः महीने का कार्यकाल रहा निराशाजनक

क्या क्या पाएंगे मंत्री पद?

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

- » क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
- » क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
- » देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
- » क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
- » क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर -समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 01 जुलाई 2024 | 5

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...कमी दिखाओ तो दिक्कत...जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत... आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा, पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं...भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं... क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र !

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

- » क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
- » क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
- » देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
- » क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
- » क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

भ्रष्टाचार

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?
» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?
» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?
» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 01 जुलाई 2024 | 6

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है। इन दिनों,कुछ को छोड़कर,हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है। नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे। इसके कारण अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता है। दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज की स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है। देश और दुनिया को डरा दिया है। वहीं, पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है। जो पत्रकार देश और उसके नागरिकों के लिए जीना चुना वह मरेंगे या सरकारी तंत्रों के द्वारा प्रताड़ित होंगे...

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
» क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?
» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?
» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?
» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

कलम बंद...
कलम बंद...
हाथों में जंजीर, पैरों में बेड़ियां यह कैसी स्वतंत्रता? जंजीरों में जकड़ा पत्रकार!
लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ खतरे में
पत्रकारों के लिए खतरनाक मुल्क बन ना जाए हम
कलम बंद...
कलम बंद...

संक्षिप्त खेल समाचार

रिटायरमेंट के बाद दिनेश कार्तिक की आरसीबी में हुई वापस

नई भूमिका में आएंगे नजर

नयी दिल्ली,01 जुलाई 2024। आरसीबी ने हाल ही में रिटायर हुए विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को टीम में नई जिम्मेदारी के साथ जोड़ा है। दरअसल, आरसीबी ने दिनेश

कार्तिक को टीम का नया बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर नियुक्त किया है। फ्रैंचाइजी ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। कार्तिक ने जून की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कह दिया था। इस दौरान उन्होंने अपने रिटायरमेंट के दौरान कहा था कि, आगने आने वाली नई चुनौतियों पर वो अपना ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

आरसीबी ने एक्स पर कार्तिक का एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि, हर मायने में हमारे विकेटकीपर, दिनेश कार्तिक का आरसीबी में बिल्कुल नए अवतार में स्वागत है। डीके आरसीबी पुरुष टीम के बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर होंगे।

जय शाह ने बताया कि कौन होंगे श्रीलंका सीरीज से पहले टीम के हेड कोच

नयी दिल्ली,01 जुलाई 2024। भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप जीतकर अपने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को यादगार विदाई दी।

इसके बाद अब टीम इंडिया के हेड कोच के नाम सवाल उठने लगे हैं। इसको लेकर फैसला किया जाना बाकी है, इस बीच बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बताया कि श्रीलंका में टीम इंडिया नए कोच के साथ खेलने उतरेगी। भारतीय क्रिकेट टीम के नए कोच पर फैसला जुलाई के अंत तक कर लिया जाएगा। कमेटी द्वारा दो उम्मीदवार को मुख्य कोच की जिम्मेदारी के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है जिसमें से एक नाम जल्दी फाइनल किया जाएगा।

भारतीय महिला टीम की ऐतिहासिक जीत

» **भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ी का बड़ा कीर्तिमान...**

» **एकमात्र टेस्ट में अफ्रीका को 10 विकेट से दी मात...**

नयी दिल्ली,01 जुलाई 2024। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जा रहा टेस्ट मैच अब खत्म हो गया है। चार दिन तक चले इस मुकाबले को टीम इंडिया ने 10 विकेट से अपने नाम कर लिया है। टीम इंडिया को दूसरी पारी में महज 37 रन की जरूरत थी, जो उसने बिना किसी विकेट नुकसान के हासिल कर लिया। भारत ने इस टारगेट को 10 वें ओवर में ही हासिल कर लिया और सीरीज भी अपने नाम कर ली। वैसे तो इस मैच में भारतीय महिला टीम के बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया, लेकिन इस बीच गेंदबाज स्नेह राणा ने जिस तरह का खेल दिखाया है, वो काबिलेतारीफ रहा। उन्हें मैच के दौरान 10 विकेट लेकर कीर्तिमान रच दिया।

स्नेह राणा ने मुकाबले में चटकाए कुल 10 विकेट

मैच की पहली पारी में स्नेह राणा के सामने साउथ अफ्रीका की बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाई। राणा ने 25.3 ओवर की गेंदबाजी में 77 रन देकर 8 विकेट हासिल किए। उन्होंने चार ओवर तो ऐसे फेंके जहां कोई भी रन

नहीं गया। जब उन्होंने पहली ही पारी में आठ विकेट चटका दिए थे, तभी करीब करीब तय हो गया था कि वे कम से कम दस विकेट मैच में पूरे कर सकती हैं। साथ ही साउथ अफ्रीका को फालोआन भी मिल गया, इससे उन्हें तुरंत ही फिर से बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा।

दूसरी पारी में भी स्नेह राणा ने लिए दो विकेट

दूसरी पारी में स्नेह राणा ने 40 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 12 मेडल डालकर कुल 111 रन दिए और दो विकेट अपनी झोली में डाले। इसके साथ ही उनके 10 विकेट पूरे हो गए। दूसरी पारी में स्नेह राणा के दो विकेट के अलावा दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड ने भी दो दो विकेट लिए। वहीं पूजा वस्त्रकार, शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी एक एक विकेट अपने नाम किया। स्नेह राणा के अलावा भारत की केवल झूलन गोस्वामी ही ऐसी गेंदबाज रही हैं, जिन्होंने एक टेस्ट मैच में 10 विकेट लेने का काम किया है।

भारत ने दस विकेट से मैच किया अपना नाम

मैच की बात करें तो भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 603 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इसमें शेफाली वर्मा का दोहरा शतक और स्मृति मंधाना की शतकीय पारी शामिल रही। वहीं जेमिमा रॉड्रिक्स, हरमनप्रीत कौर और रिचा घोष का अर्धशतक शामिल रहा। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की पूरी टीम 266 रन पर ही सिमट गई, इसलिए उन्हें फालोआन का सामना करना पड़ा। इसके बाद साउथ अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 373 रन बनाए थे। यानी भारत को केवल 37 रनों का टारगेट मिला, जिसे उसने बिना किसी विकेट के नुकसान के हासिल कर मुकाबले को दस विकेट से अपने नाम कर लिया।

टी 20 विश्व कप 2024 के बाद टीम इंडिया जुलाई में आठ मैच खेलेगी

नयी दिल्ली,01 जुलाई 2024। करीब एक महीने तक चला टी20 विश्व कप 2024 अब समाप्त हो गया है। एक बार फि से टीम इंडिया इसकी चैंपियन बन चुकी है। भारत ने साल 2007 में भी खिताब अपने नाम किया था, तब एमएस धोनी कप्तान थे। वहीं रोहित शर्मा उस टीम के युवा खिलाड़ियों में से एक थे। इस बार रोहित शर्मा टीम की कमान संभाल रहे थे। करीब एक महीने तक चले टी20 क्रिकेट के इस सबसे बड़ा टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद अब बाकी क्रिकेट शुरू होने जा रहा है। भारतीय टीम भी अपने मिशन में जुटने जा रही है, हालांकि टीम पूरी तरह से बदली हुई नजर आएगी। चलिए आपको बताते हैं कि भारतीय क्रिकेट टीम का अगला शेड्यूल क्या है और टीम इस महीने यानी जुलाई में कितने मैच खेलेगी।

भारतीय टीम जिम्बाब्वे खिलाफ खेलेगी 5 टी 20 मैचों की सीरीज

टीम इंडिया अब जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज खेलने के लिए तैयार है। इसके लिए बीसीसीआई की ओर से टीम का ऐलान कर दिया गया है, वहीं शेड्यूल भी पहले ही सामने आ गया था। भारत बनाम जिम्बाब्वे सीरीज का पहला मुकाबला 6 जुलाई को खेला जाएगा। इसके बाद अगले ही दिन फिर से यानी 7 जुलाई को दूसरा मुकाबला खेला जाएगा।

सीरीज में बहुत कम ऐसे खिलाड़ी चुने गए हैं, जो टी20 वर्ल्ड कप में भी टीम इंडिया का हिस्सा थे। कप्तानी की जिम्मेदारी पहले ही शुभमन गिल को सौंपी जा चुकी है। माना जा रहा है कि जो खिलाड़ी वर्ल्ड कप वाली भारतीय टीम में थे, वे हो सकता है कि सीधे ही जिम्बाब्वे चले जाएं, बाकी खिलाड़ी भारत से सीधे हरारे के लिए रवाना होंगे।

जिम्बाब्वे के बाद टीम इंडिया श्रीलंका दौरे पर जाएगी

जिम्बाब्वे खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेलने के बाद भारतीय टीम को श्रीलंका से भी टी20 और वनडे सीरीज खेलनी है। भारतीय श्रीलंका के दौरे पर जाएगी। जहां तीन टी20 इंटरनेशनल मैच और तीन वनडे खेलने हैं। वैसे तो अभी तक इस सीरीज के शेड्यूल का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि टी20 सीरीज का आगाज 27 जुलाई से होगा, जो 30 जुलाई तक चलेगी। इसके बाद वनडे सीरीज का पहला मैच दो अगस्त को खेला जाएगा, जो 7 अगस्त तक चल सकती है।

जुलाई में भारतीय टीम खेलेगी 8 टी 20 मुकाबले

जुलाई में टीम इंडिया कुल मिलाकर 8 मुकाबले खेलेगी। इसमें से 5 मैच जिम्बाब्वे से और तीन श्रीलंका के साथ खेले जाएंगे। इसके बाद वनडे सीरीज का आगाज होगा। श्रीलंका सीरीज का आधिकारिक शेड्यूल जारी किया जाना है, वहीं टीम का भी ऐलान होना बाकी है। अभी तो शुभमन गिल को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन माना जा रहा है कि रोहित शर्मा के बाद जो टी20 इंटरनेशनल का परमानेंट कप्तान होगा, उसका ऐलान श्रीलंका सीरीज में कर दिया जाएगा। श्रीलंका सीरीज ही ऐसी होगी, जहां टीम इंडिया नए हेड कोच के साथ जाएगी।

जुलाई 2024का पूरा शेड्यूल

पहला टी 20 मैच : 06 जुलाई, शनिवार :हरारे

पहला टी 20 मैच : 07 जुलाई, रविवार : हरारे

पहला टी 20 मैच :10 जुलाई, बुधवार : हरारे

पहला टी 20 मैच :13 जुलाई, शनिवार : हरारे

पहला टी 20 मैच : 14 जुलाई, रविवार : हरारे

भारत पेरिस ओलंपिक में पदक तालिका में सुधार करेगा

नयी दिल्ली,01 जुलाई 2024। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने आगामी पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल द्वारा नया मानदंड स्थापित करने की उम्मीद जताते हुए इस बात पर जोर दिया कि हाल के वर्षों में सरकार के लिए खेल प्राथमिकता रहे हैं। मांडविया ने पेरिस जाने वाले एथलीटों की औपचारिक विदाई और किट के अनावरण के दौरान कहा, ''मुझे विश्वास है कि यह दल खेलों में भारत के विकास को बनाए रखेगा।''

मांडविया ने कहा, '' हमने 2016 रियो में दो पदकों से बढ़कर तोक्यो में सात पदक हासिल किए। नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक से भारत तालिका में 67वें से 48वें (स्थान) पर पहुंच गया। मुझे उम्मीद है कि हमारे एथलीट हमें इस बार पदक तालिका में और भी ऊपर ले जाएंगे।'' इस विदाई समारोह में एथलीटों, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में खेलों से पहले एथलीटों के समर्थन में सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के बारे में बताया

गया। उन्होंने कहा, '' सरकार ने टॉप्स जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से एथलीटों का समर्थन किया है, जो उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को विशेष सहायता प्रदान करती है।'' पेरिस जाने वाले भारतीय दल की तीन किट (औपचारिक पोशाक, खेल पोशाक, और यात्रा पोशाक) का अनावरण किया गया। उन्होंने कहा, '' यह कार्यक्रम सिर्फ किट और औपचारिक पोशाक के अनावरण के बारे में नहीं है, बल्कि उन अरबों भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं का प्रतीक है जो एथलीटों के पीछे एकजुट हैं।'' आईओए प्रमुख उषा ने कहा कि पेरिस में एथलीटों को सर्वश्रेष्ठ सहायता प्रणाली प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, ''हमने डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में एक मजबूत टीम इकट्ठी की है। इसमें खेल चिकित्सा विशेषज्ञ, कल्याण विशेषज्ञ, पोषण विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट और एक नींद वैज्ञानिक शामिल हैं।'' उषा ने कहा, ''पहली बार, आईओए एथलीटों और कोचिंग और सहयोगी स्टाफ को भागीदारी भत्ता भी देगा। मुझे विश्वास है कि भारत किसी भी ओलंपिक के मुकाबले पेरिस में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ वापस आएगा।'' भारतीय दल में करीब 120 एथलीट शामिल हैं, जिनमें भाला फेंक में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा, 16 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम और रिकॉर्ड 21 निशानेबाज शामिल हैं।

जॉर्ज रसेल ने ऑस्ट्रियाई ग्रैंड प्रिक्स जीती

वियना,01 जुलाई 2024। मैक्स वेरस्टैपेन और लैंडो नोरिस के बीच टक्कर के बाद जॉर्ज रसेल ने ऑस्ट्रियाई ग्रैंड प्रिक्स जीत ली, जबकि वे लीड के लिए लड़ रहे थे। मैकलारेन ड्राइवर के आगे बढ़ने के बाद नॉरिस के साथ टक्कर के लिए वेरस्टैपेन को 10 सेकंड की पेनल्टी दी गई। ब्रिटिश ड्राइवर को

रिटायर होने के लिए मजबूर होना पड़ा।यह कई लैप्स की लड़ाई का एक विवादास्पद चरमोत्कर्ष था क्योंकि प्रत्येक ने दूसरे की ड्राइविंग के बारे में शिकायत की।रसेल की जीत 2022 ब्राजीलियन ग्रैंड प्रिक्स के बाद मर्सिडीज की पहली जीत थी। अंतिम लैप्स में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्ट्री के दबाव में वे थे, लेकिन अपनी जीत की बढ़त को बनाए रखने में सफल रहे। फेरारी के कार्लोस सैन्ज़ ने मर्सिडीज के लुईस हैमिल्टन से आगे अंतिम पोडियम स्थान हासिल किया, जबकि सात बार के चैंपियन को अपने पहले स्टॉप के लिए पिट एंट्री पर सफेद रेखा पार करने के लिए पाँच सेकंड की पेनल्टी मिली थी। वेरस्टैपेन ने पांचवें स्थान पर रेखा पार की,तथा पेनल्टी के बावजूद इसे बरकरार रखा, क्योंकि निको हुल्केनबर्ग का हास उनसे 16.8 सेकंड पीछे था, तथा वह रेखा पर रेड बुल के सर्जियो पेरेज़ को पीछे छोड़ने में सफल रहे।

मैं डुग्गू भैया से सब कुछ नहीं बता सकती...

चचेरी बहन पश्मीना रोशन का खुलासा- एकसाथ सोती है पूरी फैमिली

इश्क विश्क रिबाउंड फिल्म थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है और लीडिंग लेडी पश्मीना रोशन की खूब चर्चा हो रही है। उनकी इस डेब्यू फिल्म में रोहित सराफ,जिब्रान खान और नैला ग्रेवाल भी नजर आए। पश्मीना,ऋतिक रोशन की चचेरी बहन हैं। ऐसे में हर कोई जानना चाहता है कि उनका रिश्ता कैसा है, वे कैसा बॉन्ड शेयर करते हैं। अब इस पर पश्मीना ने चुप्पी तोड़ी है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में पश्मीना रोशन ने चचेरे भाई ऋतिक के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वो उन्हें डुग्गू भैया कहकर बुलाती हैं - यह एक ऐसा शब्द है जो उनके रिश्ते की नजदीकी को दिखाता है। उन्होंने बॉलीवुड हंगामा से कहा, हमारा एक फैमिली ग्रुप चैट है, जिसका नाम रियल डील है, जिसमें डुग्गू भैया, सबा आजाद (ऋतिक की गर्लफ्रेंड), आशु भैया, रिहान और ऋद्धान हैं। हम एक-दूसरे को लेकर बहुत जुनूनी हैं।

ऋतिक से सबकुछ नहीं, पर कुछ भी शेयर कर सकती हैं पश्मीना

इश्क विश्क रिबाउंड के ऑडिशन में ऋतिक रोशन की एचआरएक्स टी-शर्ट पहनने वाली पश्मीना रोशन ने इसे अपना लकी चार्म बताया और कहा कि उन्हें अपने बड़े चचेरे भाई को सब कुछ बताना पड़ता है। वो बोलीं, मैं उन्हें सब कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं डुग्गू भैया को कुछ भी बता सकती हूं। मुझे यकीन है कि वो मेरी बातों को सीक्रेट रखते हैं।

हॉल में गद्दा डालकर एकसाथ सोते हैं सभी

ऋतिक रोशन के पिता राकेश रोशन के भाई राजेश रोशन की बेटी पश्मीना ने ये भी बताया कि फैमिली में बहुत ज्यादा बॉन्डिंग है। वे अक्सर साथ सोते हैं, जहां एक-दूसरे संग सीक्रेट बातें शेयर करते हैं। वो कहती हैं,जब हम छुट्टी पर होते हैं, तब कोई अपने कमरे में नहीं रहना चाहता, हम हॉल में गद्दा लगाते हैं और साथ सोते हैं और एक-दूसरे को संग अपने सीक्रेट शेयर करते हैं। पश्मीना ने एक्टिंग में कदम रखने से पहले ऋतिक से सलाह भी ली थी।

मोनाली ठाकुर के साथ कॉन्सर्ट में बदसलूकी

शख्स ने किया आपत्तिजनक कमेंट तो भड़कीं सिंगर ने लगा दी क्लास

सिंगर और एक्ट्रेस मोनाली ठाकुर के साथ हाल ही एक कॉन्सर्ट में बदसलूकी हुई, जिससे वह भड़क गईं। मोनाली ठाकुर इतने गुस्से में थीं कि उन्होंने कॉन्सर्ट बीच में रोक दिया और बदसलूकी करने वाले शख्स को खूब लताड़ा। कॉन्सर्ट के दौरान एक शख्स ने भीड़ के बीच खड़े होकर मोनाली ठाकुर के प्राइवेट पार्ट पर कमेंट किया। इससे मोनाली ठाकुर गुस्से से आगबबूला हो गईं।

प्राइवेट पार्ट पर किया था कमेंट, भड़कीं मोनाली यह बोलीं

मोनाली ठाकुर ने भीड़ में खड़े एक शख्स की ओर इशारा करते हुए बताया कि उसने उनके प्राइवेट पार्ट पर कमेंट किया। उन्होंने इसे यौन उत्पीड़न बताया और कहा कि कुछ लोग भीड़ में छुपकर कमेंट करते हैं। फिर मोनाली ने उस शख्स से कहा कि आप काफी यंग हैं और इस तरह की बात किसी के लिए भी नहीं कहनी चाहिए। मोनाली ठाकुर ने कहा कि वह इस मुद्दे पर आवाज उठानी थी और इसलिए उन्हें मौका मिला तो बात की।

शख्स बोला- डांस मूव्स की तारीफ की थी

इसके बाद जब मामला शांत हुआ तो मोनाली ठाकुर का कॉन्सर्ट दोबारा शुरू हुआ और सिंगर ने फिर गाना शुरू कर दिया। वहीं, उस शख्स ने इस मामले पर सफाई दी कि उसने सिर्फ मोनाली के डांस मूव्स पर कमेंट किया था, और कुछ भी आपत्तिजनक नहीं कहा था

मोनाली ठाकुर दे चुकी हैं हिट गाने

मोनाली ठाकुर एक नेशनल अवॉर्ड विनिंग सिंगर हैं और कई हिट गाने गा चुकी हैं, जिनमें ये मोह मोह के धागे, सवार लूं और जरा जरा टच मी जैसे गाने शामिल हैं। उन्होंने कई सिंगिंग रियलिटी शोज भी जज किए हैं।

सनम सईद और फवाद खान के शो बरजख का ट्रेलर रिलीज

भूतनी से शादी की वजह से घरवालों की हालत खराब

फवाद खान और सनम सईद की जोड़ी एक बार फिर दर्शकों के दिलों को छूने पहुंच रही है। जिंदगी गुलजार है के ये सितारे एक बार फिर साथ आ रहे हैं। 19 जुलाई से दोनों एकसाथ स्क्रीन पर धमाका मचाने आ रहे हैं और उनके इस शो का नाम है बरजख, जिसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है।1 मिनट 54 सेकंड के इस ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे एक 76 साल का बुजुर्ग शादी के लिए बेचैन है। उसे ऐसा भी लगने लगता है कि घर में उनके ही बच्चे इस शादी से खुश नहीं हैं। हालांकि, यही सच भी है और कोई नहीं चाहता कि ये शादी हो। दरअसल जिस लड़की से वो शादी करना चाह रहे हैं वो एक पहेली है यानी वो सच नहीं, लेकिन इस रिश्ते को लेकर घर के सभी सदस्य बुरी तरह से उलझे दिख रहे हैं। इसी के साथ फवाद की भी अपनी लव-स्टोरी साथ चलती है।

बुजुर्ग की भूतनी से शादी

इस कहानी में काफी उठापटक हैं। घर का एक बच्चा फवाद से पूछता भी है कि दादा जी को किसी ने भूत से शादी करने से रोका क्यों नहीं? तो फवाद कहते हैं-डर। जहां फवाद को ये शादी गलत लग रही वहीं सनम को उनके प्यार में यकीन है।

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही,तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.................

सर्व साधारण एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि, आवेदक हंसराज सिंह आ0बिहारी जाति गोड निवासी नगर पंचायत जरही ,उप तहसील -जरही, तहसील प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)द्वारा अपने पुत्री सीमा सिंह आ0 हंसराज सिंह का जन्म दिनांक 03/08/2000 को नगर पंचायत जरही में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।अतः इसमें किसी को कोईआपत्ति हो, तो वह अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 05/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता हैं ,अन्यथा बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 21/06/2024 को जारी किया गया।

सील

नायब तहसीलदार उप तहसील जरही प्रतापपुर जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही,तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.................

सर्व साधारण एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि, आवेदक हंसराज सिंह आ0बिहारी जाति गोड निवासी नगर पंचायत जरही ,उप तहसील -जरही, तहसील प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)द्वारा अपने पुत्री रीमा सिंह आ0 हंसराज सिंह का जन्म दिनांक 06/12/2008 को नगर पंचायत जरही में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।अतः इसमें किसी को कोईआपत्ति हो, तो वह अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 05/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता हैं ,अन्यथा बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 21/06/2024 को जारी किया गया।

सील

नायब तहसीलदार उप तहसील जरही प्रतापपुर जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै मुरली धर कर्मचारी संख्या 22992705 पद नाम केटेगरी-3 पर कार्यस्थल आर.डब्लू.एस. विश्रामपुर में कार्यरत हूँ। मेरी सेवा-पुस्तिका में मेरी पत्नी का नाम बबिता दर्ज है। जबकि मेरी पत्नी का वास्तविक नाम बबिता कुशवाहा है। मै सेवा-पुस्तिका में अपनी पत्नी का नाम में कुशवाहा उपनाम दर्ज करवाना चाहता हूँ। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो एक सप्ताह के भीतर क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय विश्रामपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

मुरलीधर
पिता- टिहु राम
पता- केदारपुर,भट्ठी रोड, अम्बिकापुर,सरगुजा,छ0ग0

खुला पत्र

देश का चौथा स्तंभ को बचाए कौन?

» बचा लो चौथे स्तंभ को अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है...जिम्मेदार लोगों से है अपील...

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। बात बिल्कुल सही है कि मीडिया देश की ज़रुरत है,बिना इसके हम स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं कर सकते हैं,संपादक, मालिक और पत्रकार,सभी एक ढर्रे पर चल रहे हैं,सभी बदलाव की बात करते हैं,मगर कोई बदलना ही नहीं चाहता है,देश का स्वघोषित चौथा स्तंभ डगमगा रहा है,अपने विचारों से,अपने कर्तव्यों से बचा लोज्अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है यह कहना गलत नहीं होगा क्योंकि पहले के तीन स्तंभ भी चौथे स्तंभ के लिए गंभीर नहीं है। उन्हें लगता है कि चौथे स्तंभ की जरूरत ही नहीं है? समाचार-पत्र राजनीतिज्ञों और अन्य सत्ताधारियों का सशक्त उपकरण बन गया है,निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उनका मनमाना प्रयोग करते हैं,सभी अपने अधिकारों की सीमा लांघते हैं मगर क्यों? हमने व हमारे अतीत ने इस बात को सच होते भी देखा है,याद किजिए वो दिन जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था,तब अंग्रेजी हुकूमत के पांव उखाड़ने के लिए एकमात्र साधन अख़बार ही था,विश्व में अमेरिका और कई पश्चिमी देश ऐसे हैं,जहां पत्रकारिता स्वतंत्र है,भारत में भी प्रेस की अपनी भूमिका निभा रही है,हालांकि अन्य देशों की अपेक्षा हमारे देश में प्रेस के लिए कोई अलग से कानून नहीं हैं,हिन्दुस्तान में एक आम नागरिक को जो अधिकार दिया गया है,वही अधिकार प्रेस को भी दिया गया है,आर्टिकल 19(1) (ए) के अनुसार, हिन्दुस्तान में रहने वाले सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति का अधिकार दिया गया है,मीडिया को भी इसी दायरे में रखा गया है,हम आज जिस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं,वो सरकार और मीडिया है,सरकार के बिना मीडिया अधूरी है, और मीडिया के बिना सरकार,देश की समस्याओं को अख़बार या टीवी के माध्यम से मीडिया सरकार तक अपनी बात पहुंचाती है,देखा जाए,तो प्रेस की भूमिका जनप्रतिनिधि की होती है,कई बार ये प्रतिनिधि सीमा को लांघ जाते हैं,नाजी नेताओं ने ठीक ही कहा है कि यदि झूठ को दस या बीस बार बोला जाए,तो वह सच बन जाता है, समाचार पत्रों के संदर्भ में यह कथन सही उतरता है,आज समाचार पत्र राजनीतिज्ञों और अन्य सत्ताधारियों का सशक्त उपकरण बन गया है,वे अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उनका मनमाना प्रयोग करते हैं,सभी अपने अधिकारों की सीमा लांघते हैं मगर क्यों?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?

» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन घटती घटना राजधानी समाचार अम्बिकापुर, सोमवार 01 जुलाई 2024 8

खुला पत्र

क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ,क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

» क्या छत्तीसगढ़ के भाजपा सरकार में भी भ्रष्टाचारी नेता हैं पाक साफ?

» विधायक मंत्री पाक साफ क्योंकि वह भाजपा के पुरानी कांग्रेस सरकार के राह पर ही चलती दिख रही?

वर्तमान भाजपा की नई सरकार व उनके विधायक व मंत्री 6 महीने के कार्यकाल कुछ इसी प्रकार देखने को मिला, स्वास्थ्य विभाग के मामले में तो पिछले 6 महीने में पुराने भ्रष्टाचारों की एक भी जांच नहीं हुई, यहां तक जांच करने का प्रयास भी नहीं किया गया जबकि मंत्री भी सारे भ्रष्टाचारों से अवगत है फिर भी न जाने किसके लिए हुआ है चुप है

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

कलम बंद...

कलम बंद...

आपके पड़ोसी जिले के स्वास्थ्य महकमें में जारी है आपसी रंजिश स्वास्थ्य मंत्री जी

आखिर क्यों वर्ष 2022 में जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन ने डॉक्टर पिंस जायसवाल के जिला चिकित्सालय में अनावश्यक प्रवेश पर लगाया था प्रतिबंध?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

» क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?

» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी?

क्या कोरिया जिले का स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार में इतिहास रचने जा रहा है?

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार) RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)